अनिता देवी

ग्राम – मुसहरी
प्रखण्ड –फारबिसगंज
मो० नं० – 9939217980
आधार नं०–791721063272

अररिया जिला कृषि प्रधान जिला है। हमारा समाज पूरुष प्रधान होने के कारण कृषि कार्य में भी पूरुष ही दृष्टी–गोचर होता है। लेकिन फारबिसगंज प्रखंड क्षेत्र में ग्राम पंचायत मुसहरी फारबिसगंज प्रखण्ड क्षेत्र में एक कृषक महिला हैं अनिता देवी उम्र–47 वर्ष, शिक्षा–मैट्रिक, पेशा–समाज सेवा, राजनीति अनिता देवी जो असाक्षर है जो खेती के क्षेत्र में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती है। पति बाहर भी चला जाए तो कोई गम नहीं, आसानी और सहज से वह अपना कृषि का कार्य कर लेती हैं। इस परिवार में पूर्व में दो एकड़ भूमी था। ये मुख्य रुप से धान, मकई, गेहूँ, सब्जी का उत्पादन करती है। ये किसान परिवार में पैदा हुई तथा शादी भी किसान परिवार में हुई। घर की स्थिति आर्थिक रुप से काफी दयनीय थी। इसी कारण पति दिल्ली, पंजाब कमाने के लिए जाने के कारण जमीन रहते हुए भी उन्नत खेती नहीं कर रही थी। अनिता देवी ने अपने मन में ठानी कि मुझे स्वयं खेती करना है और अपने परिवार की स्थिति को सुधार करनी है। अनिता के दादा स्व० मनिराम मेहता बड़े जमीनदार एवं अच्छे खेतिहर थे। बचपन में वह अपने दादा जी के साथ–साथ खेत पर जाती थी, खेती के विभिन्न स्वरुपों– तरीकों को देखती एवं समझती थी। समय की मॉग को देखते हुए वह गाँव की बहु होने के वावजूद दादा जी के देख–रेख एवं संरक्षण में अपने खेत में खेती का कार्य प्रारंभ किया। इस प्रकार अनिता देवी के खेती का गुरु उनके दादा जी बने। अपने दादा जी के गुरुमंत्र एवं आशीर्वाद से ये ससुराल में पुरुष के तरह खेती करने लगी। खेती करना, कुदाल चलाना, खुरपी चलाना, मेढ़ बनाना मशीन से पटवन करना, कीटनाशक छीड़काव करना, परवाहा हाट से माथे पर खाद लाना, अपने अनाज को बाजार में जाकर बेचना, ऐसे साहसिक कार्य पुरुष के सदृश्य करने लगी। दो साल पहले कृषि विज्ञान केन्द्र, अररिया से सब्जी उत्पादन, मशरुम उत्पादन, पशुपालन एवं आधुनिक कृषि का प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त गाँव की संस्था आदर्श कृषक हित समूह से जुड़ी जिसके द्वारा उन्नत खेती का प्रशिक्षण, नारियल प्रशिक्षण, मशरुम प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कौशल का विकाश कर आधुनिक एवं वैज्ञानिक ढंग से खेती कर रही है। श्रीमती अनिता देवी को कृषि विज्ञान केन्द्र, अररिया के वैज्ञानिकों एवं तकनीकियों द्वारा समय समय पर कृषि के सलाह दिये जाते थे जिससे ये अपनी कृषि आय बढ़ाने में समर्थ हो पाई। श्रीमती अनिता देवी वन विभाग से भी पौधा प्राप्त कर वृक्षारोपन की। ये बंधन बैंक के महिला समूह का संचालन भी करती है तथा जिविका महिला समूह का भी सदस्य है। साहसी इतनी है कि ये खुद भैंस भी चरा लेती है गाय भी दूह लेती है। बाजार हाट भी कर लेती है। यह बुनकर में भी निपूण है, अपने से चटाई, मचिया, स्वेटर भी बुन लेती है।

अब बर्त्तमान में इनकी स्थिति आर्थिक रुप अच्छी हो गई है। खेती की आय से भैंस, जमीन गाय, मकान एवं शौचालय भी बनावाई है। अब वह अपने पति को बाहर काम करने नहीं भेजती हैं। पति द्वारा भी कृषि कार्य में सहयोग किया जाता है। ये दो बच्चों के बाद ही परिवार को सीमित कर ली है तथा दोनों बच्चों को अच्छी तरह पढ़ा भी रही है। अपने पंचायत में महिला समुह बना कर लोगों को कृषि के क्षेत्र में जागरुक का कार्य भी

करते आ रही है। इनको विभिन्न क्षेत्रों में प्रमाण पत्र भी प्राप्त है। आज श्रीमती अनिता देवी का कृषि से शुद्ध आय सलाना 4,00,000/– रुपये प्राप्त होता हैं। श्रीमती अनिता देवी को कृषि में अपने कार्य के लिए क्षेत्रिय किसान मेला, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर से वर्ष 2022 में उत्कृष्ट किसान सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका हैं। श्रीमती अनिता देवी को दूरदर्शन किसान नई दिल्ली द्वारा भी सर्वश्रेष्ठ महिला किसान द्वारा सम्मानित किया जा चुका हैं।